PAPER-III
MASS COMMUNICATION AND JOURNALISM

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________

   (Name) _____________________________

2. (Signature) ___________________________

   (Name) _____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________

(In words)

D 6 3 1 0

Time : **2 $^1/_2$** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

MASS COMMUNICATION & JOURNALISM
जनसंचार एवं पत्रकारिता

PAPER–III
प्रश्नपत्र–III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. (a) Dissect the ethical and legal aspects of trial by media in the light of certain recent events often bordering on invasion of privacy. What legal measures are needed to prevent such a tendency ?

गोपनीयता पर हमले की परिसीमा पर होनेवाली हाल ही की कुछ घटनाओं के प्रकाश में मीडिया द्वारा जाँच के नीति विषयक और कानूनी पहलुओं का विश्लेषण कीजिये । ऐसी प्रवृति को रोकने के लिये कौन से कानूनी उपायों की जरूरत है ?

OR / अथवा

(b) Evaluate the reasons for sidelining the concept of another development in the developing world. How do you measure the role of mass media in devising alternative developmental strategies and models ?

विकासोन्मुख विश्व में अन्य विकास की अवधारणा को नजरअन्दाज करने के कारणों का मूल्यांकन करें । वैकल्पिक विकासात्मक रणनीतियाँ और मॉडल तैयार करने में जनमाध्यम की भूमिका का मापन आप किस प्रकार करते हैं ?

OR / अथवा

(c) 'The multiple cable channels have opened the opportunities for a large number of Indians to watch various serials throughout the week. But these serials are the same in terms of themes, characters and production values.'

Argue for or against this statement. Discuss what impact these may have on the Indian society – urban and rural, poor and rich, and majority and minority.

'बहु केबल चैनलों ने पूरे सप्ताह विभिन्न धारावाहिकों का अवलोकन करने के लिये बड़ी संख्या में भारतीयों के लिये अवसर पेश किये हैं । परन्तु ये धारावाहिक विषय प्रसंग, पात्रों और प्रस्तुतीकरण के मूल्यों के सम्बन्ध में एक समान हैं । ' इस कथन के पक्ष और विपक्ष में तर्क दीजिये । भारतीय समाज – नगरीय और ग्रामीण, निर्धन और धनी, और बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यक, पर इनका क्या प्रभाव पड़ सकता है, विवेचना कीजिये ।

2. (a) Analyse the impact of global cartelisation of news supply on the media in developing societies, in the context of unidimensionality of news values and conversion of governance into a routinised entertainment.
नेमीकृत मनोरंजन में शासन के परिवर्तन और नवीन मूल्यों की एक विमीयता के संदर्भ में, विकासशील समाजों में समाचार आपूर्ति के वैश्विक कार्टेलाइज़ेशन का मीडिया पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण कीजिये ।

OR / अथवा

(b) Explain how the digital technologies have converted the films from the tools of cultural domination to the agents of empowerment.
व्याख्या कीजिये किस प्रकार डिजीटल प्रौद्योगिकियों ने फिल्मों को सांस्कृतिक प्रभुत्व के उपकरणों से सशक्तिकरण के एजेन्ट के रूप में बदल डाला है ?

OR / अथवा

(c) Analyse why the media industries do not adopt qualitative research methods, while on the other hand they are not satisfied with the findings of the quantitative research methods. Suggest ways to conduct research for media industries.
विश्लेषण करें मीडिया उद्योग गुणात्मक शोध पद्धतियों को क्यों नहीं अपनाते हैं जबकि इसके दूसरी ओर वे परिमाणात्मक शोध पद्धतियों से सन्तुष्ट नहीं हैं । मीडिया उद्योगों के लिये शोध करने के लिये तरीकों का सुझाव दें ।

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Argue the need for setting up a new media commission in India. What possible terms of reference do you suggest ?
भारत में नवीन मीडिया आयोग स्थापित करने की आवश्यकता के लिये तर्क-वितर्क करें । आप इस सम्बन्ध में किन सम्भावित शर्तों का सुझाव देंगे ?

4. Delineate the role played by print media in privileging human rights issues in post-emergency India.
उत्तर-आपातकालीन भारत में मानवाधिकारों को विशेषधिकार बनाने में मुद्रित मीडिया द्वारा निभाई भूमिका का वर्णन करें ।

5. Describe at least two approaches of documentary film making. Can documentary film making be considered as an objective endeavour ? Explain.
वृत्त चित्र फिल्म निर्माण के कम से कम दो उपागमों का वर्णन करें । वृत्त चित्र फिल्म निर्माण को क्या वस्तुनिष्ठ प्रयास समझा जा सकता है ?

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Currently audio-visual music albums have become an important tool of film promotions, advertising and publicity. Find out the reasons.

   वर्तमान समय में श्रव्य-दृश्य संगीत एलबमें फिल्म संवर्धन, विज्ञापन और प्रचार का महत्त्वपूर्ण उपकरण बन गई हैं । कारण ज्ञात कीजिये ।

7. Examine the importance of situation analysis in a public relations campaign.
लोक सम्बन्ध अभियान में स्थिति विश्लेषण के महत्त्व की परीक्षा कीजिये ।

8. Identify the reasons for the setting up of samachar news agency in 1976.
वर्ष 1976 में समाचार न्यूज़ एजेन्सी की स्थापना के कारण बताइये ।

9. Discuss the merits and demerits of 'Uses and Gratification' theory of communication.
संचार के 'यूज़िज एण्ड ग्रेटीफिकेशन' सिद्धान्त के गुण और दोषों की विवेचना कीजिये ।

10. Is visual grammar of television culture specific ? Exemplify.
क्या टेलीविज़न की दृश्यक व्याकरण संस्कृति विशिष्ट है ? सोदाहरण व्याख्या करें ।

11. Examine the concept of civic journalism.
नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा की परीक्षा कीजिये ।

12. Analyse the different dimensions of the digital hub.
'डिजीटल हब' की भिन्न विमाओं का विश्लेषण कीजिये ।

13. Describe at least four video/film editing devices. What is a jump cut ? Can it be used as an editing device ?
वीडियो / फिल्म सम्पादन की कम से कम चार विधियों का वर्णन कीजिये । जंप कट क्या है ? क्या इसे सम्पादन विधि के रूप में उपयोग किया जा सकता है ?

14. Differentiate between colour correction and colour separation.
वर्ण संशुद्धि और वर्ण पृथकता के बीच अन्तर कीजिये ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.
(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

The "high culture-mass culture" debate is familiar territory within media studies, where the "mass" is invariably explained as a pejorative referent for (lower) "class" cultural preferences. However, as Huyssen demonstrates, the high culture-mass cultural dichotomy is also permeated by considerations of gender. Europe's late nineteenth-century industrial revolution and cultural modernization, he argues, coincided with the first major women's movement. Huyssen shows how turn-of-the-century political, psychological and aesthetic

discourse consistently gendered mass culture and the masses as feminine, and thus inferior. This idea retained a position in much later theories of mass culture – as, for example, when Adorno and Horkheimer conjure up the fairy tale evil queen to claim that "mass culture, in her mirror, is always the most beautiful in the land."

The dichotomy that gendered mass culture as feminine and inferior has strongly patterned media criticism and analysis, which disregarded femininity, gender and sexuality in discussions of the "political". Feminist critics rejected the dominant, narrow definition of the political in terms of "the market" or "public policy", arguing that it must include a consideration of everyday life, domesticity and consumerism. It was within this context that feminist media scholars set out to "reclaim" the popular media of mass entertainment. As a result, genres such as romance, soap opera, sitcoms, popular drama and rock music became legitimate subjects for critical analysis. The extremely large body of work that developed over the 1980s and 1990s is one in which different critical approaches have become increasingly intertwined. While some scholars have limited their work to textual analysis per se (for example, the close reading of narrative structures, iconography, symbolic codes and themes, and of the solicitation of pleasure, identification and subjectivity within the text), others have increasingly fused textual analysis with other approaches. For instance, studies of the discursive, social and institutional contexts in which the texts themselves are produced have looked at the historical and organizational imperatives and constraints that shape female characters and audience interpretations of them. Studies of the context of reception have focused on how texts are viewed and interpreted in the framework of domestic and familial relations.

'उच्च संस्कृति-जन संस्कृति' के बारे में बहस मीडिया अध्ययनों में परिचित क्षेत्र है, जहाँ 'जन' शब्द को (निम्न) वर्ग सांस्कृतिक अधिमानों के लिये अपकर्षक प्रसंगार्थ के रूप में निरपवाद रूप से स्पष्ट किया है, तथापि, जैसा कि यूसेन ने प्रदर्शित किया है, उच्च संस्कृति-जन संस्कृति विरोधाभास लिंगीय सोच-विचारों द्वारा भी प्रवेश कर गया है । उसने तर्क किया कि यूरोप में उन्नीसवीं शताब्दी के उतरार्ध में औद्योगिक क्रान्ति और सांस्कृतिक आधुनिकीकरण, स्त्रियों के प्रथम बड़े आन्दोलन के समय ही पड़ा । यूसेन ने दर्शाया है कि किस प्रकार शताब्दी के अन्त में राजनैतिक, मनोवैज्ञानिक, सौंदर्यपरक प्रवचनों ने संगत रूप से जनसंस्कृति को लिंगीय बनाया, और जन साधारण को स्त्रीवादी और इस तरह से निम्न प्रकृति का बनाया । इस विचार ने जन संस्कृति के बहुत बाद के सिद्धान्तों में स्थान बनाये रखा – जैसे कि उदाहरणतया जब एडोर्नो और होर्खोमर ने यह दावा करने के लिये कि 'जन संस्कृति, उसके शीशे में, भू-स्थान में हमेशा सर्वाधिक सुन्दर होती है', दुष्ट रानी की परी कथा की कल्पना की ।

इस विरोधाभास ने, जिसने जन संस्कृति को स्त्रीवादी और निम्न रूप दिया, मीडिया आलोचना और विश्लेषण को मज़बूती से रूपांकित किया, जिसने 'राजनीतिक' की चर्चाओं में नारीत्व, लिंग और कामुकता की उपेक्षा की है । स्त्रीवादी आलोचकों ने, 'बाजार' या 'लोक नीति' के सम्बन्ध में राजनीतिक की प्राबल्य, संकीर्ण भाषा को अस्वीकार कर दिया और यह तर्क दिया कि इसे दिन प्रतिदिन के जीवन, घरेलुपन और उपभोक्तावाद के विचार को सम्मिलित करना चाहिये । इसी संदर्भ में, स्त्रीवादी मीडिया विद्वान जन मनोरंजन के लोकप्रिय मीडिया को वापस लाने चल पड़े । फलस्वरूप, निम्नलिखित शैलियां जैसे कि रोमांस, सोप ओपेरा, सिटकॉमस्, लोकप्रिय नाटक और रॉक संगीत आलोचनात्मक विश्लेषण के लिये वैध विषय बन गये हैं । 1980 और 1990 के दशक में विकसित कार्य का अति बड़ा भाग वो है, जिसमें भिन्न आलोचनात्मक उपागम ज्यादा से ज्यादा एक दूसरे के साथ गूंथ गये हैं । जबकि कुछ विद्वानों ने अपने काम को विषय सम्बन्धी विश्लेषण तक सीमित रखा है (उदाहरण के लिये, विवरणात्मक संरचनाओं, मूर्ति शिल्प, प्रतीकात्मक कोड़ों और विषयों का सूक्ष्म पठन, और आनन्द, पहचान और व्यक्तिनिष्ठता का रिझाव), दूसरों ने विषय सम्बन्धी विश्लेषण को अन्य उपागमों के साथ ज्यादा से ज्यादा मिला दिया है । उदाहरण के लिये, विवेचनीय, सामाजिक और सांस्थानिक संदर्भों के अध्ययनों, जिसमें विषय स्वयं निर्मित होते हैं, ऐतिहासिक और संगठनात्मक आज्ञार्थ और रुकावटों जो स्त्री पात्रों और उनके बारे में श्रोताओं के निर्वचन को आकार देते हैं, पर विचार किया है । अभिग्रहण के संदर्भ के अध्ययनों ने इस बात पर फोकस किया कि किस प्रकार घरेलू एवं पारिवारिक सम्बन्धों के ढाँचे में विषय को समझा और व्याख्यायित किया जाता है।

15. How is "mass" explained in the "high culture-mass culture" debate ?
'उच्च संस्कृति-जन संस्कृति' में 'जन' की किस प्रकार व्याख्या की गई है, वाद-विवाद कीजिये ।

16. In Huyssen's view, which discourses consistently gendered mass culture and the masses as feminine and inferior ?
यूसेन के विचार में, किन प्रवचनों ने संगत रूप से जन संस्कृति और जन को स्त्रीवादी और निम्न रूप दिया है ?

17. Why have the feminists rejected the dominant, narrow definition of mass culture ?
जन संस्कृति की प्राबल्य, संकीर्ण परिभाषा स्त्रीवादियों ने क्यों अस्वीकार कर दी है ?

18. How have the feminist media scholars attempted to "reclaim" the popular media of mass entertainment ?
स्त्रीवादी मीडिया विद्वानों ने किस प्रकार जन मनोरंजन के लोकप्रिय मीडिया को वापस लाने का प्रयास किया ?

19. What were the various critical approaches that were a part of the large body of work that developed in 1980s and 1990s ?
विभिन्न आलोचनात्मक उपागम, जो 1980 और 1990 के दशक में विकसित कार्य का बहुत बड़ा भाग थे कौन से हैं ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....